उलझी लट सुलझा जियो रे मोहन

उलझी लट सुलझा जइयो रे मोहन मेरे हाथों मेहंदी लगी।
मेरे हाथों में मेहंदी लगी प्यारे मोहन।।

सीस का टीका गिर गया मोहन,
अपने हाथों पहना जइयो रे मोहन,मेरे हाथों मेहंदी लगी।।

गले का हरवा गिर गया मोहन,
अपने हाथों पहना जइयो रे मोहन,मेरे हाथों मेंहंदी लगी।।

हाथ का कँगना गिर गया मोहन,
अपने हाथों पहना जइयो रे मोहन,मेरे हाथों मेंहंदी लगी।।

पाँव की पायल गिर गई मोहन,
अपने हाथों पहना जइयो रे मोहन,मेरे हाथों मेंहंदी लगी।।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25836/title/ulti-lat-suljha-jiyo-re-mohan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |